रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 120] नई दिल्ली, शनिवार, जून 2, 2007/ज्येष्ठ 12, 1929

No. 120] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2, 2007/JYAISTHA 12, 1929

भारतीय उपचर्या परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 मई, 2007

फा. सं. 11-1/2007-भा.उ.प.—भारतीय नर्सिंग परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का 48वां) के खण्ड 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय उपचर्या परिषद् एतद्द्वारा निम्न विनियम बनाती है :—

1. लघु शीर्ष तथा प्रवर्तन : इन विनियमों को पाठ्यक्रम और विनियम गंभीर देखभाल परिचर्या में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा, 2005 कहा जाएगा ।

2. ये विनियम सत्र 2007-08 से प्रभावी होंगे ।

गंभीर देखभाल परिचर्या में डिप्लोमा शुरू करने के लिए मार्गनिर्देश

यह कार्यक्रम निम्न संस्थानों में शुरू किया जा सकता है :

(ए) ऐसे सरकारी (राज्य/केन्द्र/स्वायत्त) परिचर्या शिक्षण संस्थान जो परिचर्या में डिप्लोमा अथवा डिग्री कार्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं और जिनके मूल/संबंधनप्राप्त सरकारी अस्पताल में 'गंभीर देखमाल तथा आईसीयू सुविधाएं' हैं ।

अथवा

(बी) ऐसे अन्य गैर-सरकारी परिचर्या शिक्षण संस्थान जो परिचर्या में डिप्लोमा अथवा डिग्री कार्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं तथा जिनके मूल अस्पतालों में गंभीर देखभाल तथा आईसीयू सुविधाएं हैं ।

अथवा

(सी) 250-500 शय्याओं वाले ऐसे अस्पताल जिनमें 8-10 शय्याएं गंभीर देखभाल शय्याएं तथा आईसीयू हैं ।

मान्यता प्रदान किए जाने की क्रियाविधि

1. गंभीर देखभाल परिचर्या में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा शुरु करने के इच्छुक किसी भी संस्थान को राज्य सरकार से अनापत्ति/अनिवार्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा । जिन संस्थानों को परिचर्या में डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम चलाने के लिए आईएनसी द्वारा पहले ही मान्यता प्रदान की जा चुकी है उन्हें अनापत्ति/अनिवार्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की जरूरत नहीं है ।
2. परिचर्या कार्यक्रम (स्कूल/कालेज) शुरू करने के लिए संस्थान से प्रस्ताव प्राप्त होने पर आईएनसी भौतिक आधारित सुविधाओं, नैदानिक सुविधाओं तथा शिक्षण संकाय को लेकर उपयुक्तता का आकलन करने के लिए निरीक्षण करेगी जिससे कि कार्यक्रम शुरू करने की अनुमति दी जा सके ।
3. परिचर्या कार्यक्रम चलाने के लिए भारतीय उपचर्या परिषद् को अनुमति मिलने के बाद संस्थान राज्य उपचर्या परिषद् तथा परीक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय से अनुमोदन प्राप्त करेगा ।

4. संस्थान केवल राज्य उपचर्या परिषद् तथा परीक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय का अनुमोदन प्राप्त होने के बाद ही छात्रों का दाखिला करेगा।
5. भारतीय उपचर्या परिषद् कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति को जारी रखने के लिए लगातार दो वर्षों तक निरीक्षण करेगी।

स्टाफ व्यवस्था

1. 1 : 5 के अनुपात में पूर्णकालिक शिक्षण संकाय
   शिक्षण संकाय की न्यूनतम संख्या 2(दो) होनी चाहिए।
   अर्हता : 1. चिकित्सीय–शल्यक्रिया विशेषज्ञता सहित एम.एससी. नर्सिंग।
   2. गंभीर देखभाल परिचर्या में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा।
   अनुभव : कम से कम 3 वर्ष
2. अतिथि संकाय–संबंधित विशेषज्ञताओं में बहुविषयक्षेत्रीय

बजट

स्टाफ वेतन, अंशकालिक अध्यापकों के लिए मानदेय, लिपिकीय सहायता, संस्थान के समग्र बजट में कार्यक्रम के लिए पुस्तकालय तथा आपातिक व्यय के वास्ते बजटीय प्रावधान होना चाहिए।

भौतिक सुविधाएं

1. क्लासरूम–1
2. परिचर्या प्रयोगशाला–1
3. पुस्तकालय–गंभीर देखभाल, चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक, हृदय, श्वसन, आपातिक परिचर्या, बर्न्स, तंत्रिका, वृक्क प्रतिघात आदि में नवीन परिचर्या पाठ्यपुस्तकों तथा पत्रिकाओं से सुसज्जित चिकित्सीय/अस्पताल पुस्तकालय का प्रयोग करने की अनुमति।
4. शिक्षण सहायक सामग्री–निम्न के प्रयोग के लिए सुविधाएं
   - ओवरहेड प्रोजेक्टर
   - स्लाइड प्रोजेक्टर
   - वीसीपी अथवा वीसीआर, वीडिओ कैसेटों सहित टीवी
   - एलसीडी प्रोजेक्टर
   - कंप्यूटर, सीडी, डीवीडी प्लेअर, डीवीडी
   - कौशल निदर्शन के लिए उपकरण (मैनिकिन्स, सिम्यूलेटर, माडल, नमूने आदि)
5. कार्यालय सुविधाएं :
   - टाइपिस्ट, चपरासी, सफाई कर्मचारी की सेवाएं
   - कार्यालय, उपकरण आपूर्ति आदि के लिए सुविधाएं जैसेकि
     - लेखन सामग्री
     - प्रिंटर सहित कंप्यूटर
     - जीरौक्स मशीन/रिसोग्राफ
     - टेलीफोन

नैदानिक सुविधाएं

न्यूनतम शय्या संख्या

- 250–500 शय्याएं
- आईसीयू शय्याएं : ≥ 10

दाखिले की शर्तें और उपबंध

पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के इच्छुक छात्र को :

1. एक पंजीकृत नर्स (आरएन तथा आरएम) अथवा समतुल्य होना चाहिए।
2. उसके पास एक स्टाफ नर्स के रूप में कम से कम एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए।
3. दूसरे देशों की नर्सों को दाखिले से पहले आईएनसी से समतुल्यता का प्रमाण–पत्र प्राप्त करना होगा।
4. शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ्य होना चाहिए।
5. सीटों की संख्या—
   - 250–500 शय्याओं वाले अस्पताल (8–10 आईसीयू शय्याएं) में सीटों की संख्या = 5–10
   - 500 से अधिक शय्याओं वाले अस्पताल (20 अथवा उससे अधिाक आईसीयू शय्याएं) में सीटों की संख्या = 10–20

पाठ्यक्रम का विन्यास

I. **अवधि:** पाठ्यक्रम की अवधि एक शैक्षणिक वर्ष है।

II. **पाठ्यक्रम का विभाजन:**

1.	शिक्षण: सिद्धांत और नैदानिक अभ्यास	42 सप्ताह
2.	संस्थानबद्ध प्रशिक्षण	4 सप्ताह
3.	परीक्षा (तैयारी सहित)	2 सप्ताह
4.	छुट्टियां	2 सप्ताह
5.	सार्वजनिक अवकाश	2 सप्ताह
		52 सप्ताह

III. **पाठ्यक्रम के उद्देश्य**

सामान्य उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र गंभीर देखभाल परिचर्या के दर्शन, सिद्धांतों, विधियों और मुद्दों, प्रबंधन, शिक्षा तथा अनुसंधान की एक समझ विकसित करने की स्थिति में हो सकेंगे। इसके अलावा यह पाठ्यक्रम उन्हें सक्षम गंभीर देखभाल परिचर्या प्रदान करने के लिए कौशल और अभिवृत्ति विकसित करने योग्य बना देगा।

विशिष्ट उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न बातों में सक्षम हो सकेगा:

1. गंभीर देखभाल परिचर्या की अवधारणाएं और सिद्धांत समझाना।
2. गंभीर रोगियों और उनके परिवारों के साथ प्रभावी रूप से बातचीत करना।
3. उन्नत हृद जीवन सहायता कौशल निष्पादित करना।
4. गंभीर रोगियों की देखभाल में परिचर्या प्रक्रिया का प्रयोग करना।
5. स्वास्थ्य दल के एक सदस्य के रूप में सक्रिय रूप से भाग लेना।
6. गंभीर देखभाल परिचर्या सेवाओं के प्रबंध में कौशल आयोजित करना और उनका निदर्शन करना।
7. गंभीर देखभाल यूनिटों के आयोजन के लिए एक योजना बनाना।
8. गंभीर देखभाल परिचर्या में अनुसंधान आयोजित करना।
9. नर्सों तथा संबद्ध स्वास्थ्य कार्मिकों को शिक्षित तथा पर्यवेक्षित करना।

IV. पाठ्यक्रम

	सिद्धांत	व्यवहार
1. नैदानिक परिचर्या–I (आधारिक पाठ्यक्रम सहित)	155 घंटे	एकीकृत नैदानिक अभ्यास
2. नैदानिक परिचर्या–II	155 घंटे	
3. पर्यवेक्षण और प्रबंध, नैदानिक शिक्षण, प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी (i) पर्यवेक्षण तथा प्रबंध (ii) नैदानिक शिक्षण (iii) प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी	 30 घंटे 30 घंटे 30 घंटे	1280 घंटे
4. संस्थानबद्ध प्रशिक्षण		160 घंटे
योग	**400 घंटे**	**1440 घंटे**

- सिद्धांत और व्यवहार के बीच घंटों का विभाजन
  42 सप्ताह X 40 घंटे/सप्ताह
  = 1680 घंटे
- ब्लाक कक्षाएं — 4 सप्ताह X 40 घंटे/सप्ताह
  = 160 घंटे
- एकीकृत सिद्धांत और नैदानिक अभ्यास
  38 सप्ताह X 40 घंटे/सप्ताह
  = 1520 घंटे
  – (सिद्धांत 400 घंटे)* सिद्धांत 6 घंटे/सप्ताह
  38 सप्ताह X 6 घंटे/सप्ताह
  = 240 घंटे
  – नैदानिक अनुभव 34 घंटे/सप्ताह
  38 सप्ताह X 34 घंटे/सप्ताह
  = 1292 घंटे
- संस्थानबद्ध प्रशिक्षण — 4 सप्ताह X 40 घंटे = 160 घंटे

V. नैदानिक अनुभव

ऐसे क्षेत्र जिनमें नैदानिक अनुभव अपेक्षित है

नैदानिक अनुभव निर्धारित नैदानिक घण्टों के अनुसार अवश्य प्रदान किया जाना चाहिए। छात्रों को गंभीर देखभाल यूनिटों में तैनात किया जाना चाहिए।

क्रम संख्या	नैदानिक क्षेत्र		सप्ताह (38 घंटे/सप्ताह)
1.	गंभीर देखभाल यूनिट और वार्ड	सामान्य	8 सप्ताह
2.	हृद और श्वसन	चिकित्सा	6 सप्ताह
3.	गंभीर देखभाल यूनिट	शल्यक्रियात्मक	6 सप्ताह

4.	आपरेशन थियेटर (हृद, तंत्रिका, श्वसन, वृक्क, बड़ी उदरीय शल्यक्रिया)		4 सप्ताह
5.	आकस्मिकता/नैदानिक परीक्षण		3 सप्ताह
6.	तंत्रिका तथा प्रतिघात		4 सप्ताह
7.	वृक्क		2 सप्ताह
8.	प्रसूति वैज्ञानिक और बाल चिकित्सा आपातिक स्थितियां		2 सप्ताह
9.	बर्न्स तथा प्लास्टिक शल्यक्रिया		3 सप्ताह

संस्थानबद्ध प्रशिक्षण: उपर्युक्त गंभीर देखभाल यूनिटों में से किसी एक में 4 सप्ताह

VI. परीक्षा योजना

	आंतरिक मूल्यांकन अंक	बाह्य मूल्यांकन	कुल अंक	अवधि (घंटों में)
ए. सिद्धांत				
प्रश्न—पत्र I - नैदानिक परिचर्या I	50	150	200	3
प्रश्न—पत्र II - नैदानिक परिचर्या II	50	150	200	3
प्रश्न—पत्र III – पर्यवेक्षण और प्रबंध, नैदानिक शिक्षण, प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी	50	150	200	3
बी. व्यावहारिक				
नैदानिक परिचर्या (शिक्षण और पर्यवेक्षण को एकीकृत किया जाए)	100	100	200	
सकल योग	**250**	**550**	**800**	

सी. परीक्षा में बैठने के लिए शर्तें

छात्र:

1. वर्ष के दौरान प्रत्येक विषय में सैद्धान्तिक शिक्षण में कम से कम 75% से अधिक सीमा तक हाजिर रहा हो।
2. उसने कम से कम 75% नैदानिक व्यावहारिक घंटे कार्य किया हो। तथापि प्रमाण—पत्र दिए जाने से पहले छात्रों को घंटों और क्रियाकलापों के अर्थों में एकीकृत व्यावहारिक अनुभव तथा संस्थानबद्ध प्रशिक्षण में 100% हाजिरी पूरी करनी चाहिए।

VII. परीक्षा

परीक्षा, भारतीय उपचर्या परिषद द्वारा मान्यताप्रदत्त राज्य उपचर्या पंजीकरण परिषद/राज्य उपचर्या परीक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाएगी।

VIII. सफलता का मानक

1. उत्तीर्ण होने के लिए छात्र को सिद्धांत, व्यावहारिक तथा प्रश्न—पत्रों में आंतरिक मूल्यांकन और बाह्य परीक्षा में से प्रत्येक में अलग—अलग कम से कम 50% अंक प्राप्त करने चाहिए।

2. (क) 60% से कम द्वितीय श्रेणी है,

(ख) 60% तथा उससे अधिक किन्तु 75% से कम प्रथम श्रेणी है,

(ग) 75% तथा उससे उच्चतर उत्कृष्टता है।

3. उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को अधिक से अधिक तीन अवसर प्रदान किए जाएंगे।

IX. **प्रमाणन**

ए. शीर्षक–**गंभीर देखभाल परिचर्या** में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा।

बी. निर्धारित अध्ययन कार्यक्रम की सफल पूर्ति के बाद एक डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा जिसमें यह कहा जाएगा कि

(i) अभ्यर्थी ने गंभीर देखभाल परिचर्या में निर्धारित पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है।

(ii) छात्र ने निर्धारित नैदानिक अनुभव प्राप्त कर लिया है।

(iii) छात्र ने निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

गंभीर देखभाल परिचर्या I

विवरण:

यह पाठ्यक्रम संबंधित जीववैज्ञानिक और व्यवहारपरक विज्ञानों तथा चिकित्सीय और शल्यक्रियात्मक आपातिक स्थितियों सहित आपातकालीन परिचर्या के सिद्धांतों की समझ विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

उद्देश्य:

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न बातों में समर्थ हो जाना चाहिए:

1. गंभीर देखभाल परिचर्या में यथाप्रयुक्त व्यवहारपरक तथा जीववैज्ञानिक तथा परिचर्यात्मक विज्ञानों की अवधारणा तथा सिद्धांतों का वर्णन करना।
2. गंभीर देखभाल में प्रयुक्त विभिन्न औषधियों तथा नर्सों के दायित्वों का वर्णन करना।
3. गंभीर देखभाल परिचर्या की अवधारणाओं और सिद्धांतों का वर्णन करना।
4. स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच तनाव के स्रोत अभिज्ञात करना तथा काम के अत्यधिक बोझ के संलक्षण की देखभाल करना।
5. रोगियों तथा परिवार के सदस्यों की मनोसामाजिक समस्याएं पहचानना और समग्र देखभाल प्रदान करना।
6. गंभीर रोगियों को व्यापक देखभाल प्रदान करने में परिचर्या प्रक्रिया लागू करना।
7. संक्रमण नियंत्रण उपाय व्यवहार में लाना।
8. वेदना का आकलन तथा देखभाल।
9. गंभीर रोगियों की पोषणिक जरूरतें पहचानना और उनकी देखरेख करना।
10. संवेगात्मक तथा आध्यात्मिक विपत्ति और शोकजन्य चिन्ता का मुकाबला करने में रोगी और परिवार की सहायता करना।

सिद्धांत = 155 घंटे

विषय	घंटे	अंतर्वस्तु
यूनिट I	10	**मनोविज्ञान** ❑ समीक्षा • वैयक्तिक भिन्नताएं • अधिगम, प्रेरण, ध्यान और बोध • संवेग • मानव व्यवहार और संकटकाल में जरूरतें • दबाव तथा आपातिक स्थितियों का मुकाबला करना

		• नेतृत्व • संचार तथा आईपीआर • परामर्श • अभिवृत्तियां तथा देखभाल को मानवीय बनाना।
यूनिट II	10	**समाजविज्ञान** ❑ समीक्षा • सामाजिक गठन और सामुदायिक संसाधन • समुदाय में नेतृत्व की भूमिकाएं • परिवार तथा पारिवारिक संबंध • सामाजिक सांस्कृतिक प्रभाव
यूनिट III	10	**सूक्ष्मजीवविज्ञान** ❑ समीक्षा • प्रतिरक्षण • संक्रमण • अपूति, निर्जीवाणूकरण और विसंक्रमण के सिद्धांत • सूक्ष्मजीवविज्ञान में नैदानिक परीक्षण तथा संबद्ध नर्सों की जिम्मेदारी • मानक सुरक्षोपाय तथा जैवचिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंध
यूनिट IV	20	**अनुप्रयुक्त शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान** ❑ समीक्षा • तंत्रिकावैज्ञानिक तंत्र • श्वसन तंत्र • हृदवाहिका तंत्र • जठर–आंत्र तंत्र • अंतःस्रावी तंत्र • पेशी–कंकाल तंत्र • जनन मूत्र तंत्र • प्रजनन तंत्र • संवेदी अंग
यूनिट V	30	**फार्माकालोजी** ❑ समीक्षा • फार्माकोकिनेटिक्स • वेदनाहारी/शोथरोधी कारक • प्रतिजैविकी, पूतिरोधी एजेंट • औषधि प्रतिक्रिया तथा विषालुता

		• गंभीर देखभाल यूनिट में प्रयुक्त औषधियां (आयनोट्रापिक सहित) • विभिन्न शारीरिक तंत्रों में प्रयुक्त औषधियां • रुधिर और रुधिर घटक • दवा देने के सिद्धांत, नर्सों की भूमिका और दवाओं की देखभाल
यूनिट VI	10	❑ गंभीर देखभाल परिचर्या का परिचय • ऐतिहासिक समीक्षा • गंभीर देखभाल परिचर्या की अवधारणाएं • गंभीर देखभाल परिचर्या के सिद्धांत • गंभीर देखभाल परिचर्या का कार्यक्षेत्र • उपकरणों, आपूर्ति, विभिन्न प्रकार के मानीटरों, संवातकों के प्रयोग और देखभाल सहित गंभीर देखभाल यूनिट का गठन • प्रवाह शीटें
यूनिट VII	15	• गंभीर देखभाल परिचर्या व्यवहार में प्रयुक्त समग्र देखभाल की अवधारणा – रोगियों पर गंभीर देखभाल यूनिट के मनोशरीरक्रियाविज्ञान तथा मनोसामाजिक प्रभाव: जोखिम कारक, रोगियों का आकलन, गंभीर देखभाल मनोविक्षिप्ति, गंभीर देखभाल यूनिट के मनोशरीरक्रियाविज्ञान और मनोसामाजिक समस्याओं से पीड़ित रोगियों के लिए रोकथाम और परिचर्यात्मक देखभाल, रोगी के परिवार की देखभाल, परिवार शिक्षण – गंभीर देखभाल यूनिट में चिकित्सा होने का गतिविज्ञान: स्पर्श, विश्रान्ति का गतिविज्ञान, संगीत चिकित्सा, निर्देशित इमेजरी स्वास्थ्य दल सदस्यों के बीच दबाव तथा काम के अत्यधिक बोझ के संलक्षण
यूनिट VIII	5	❑ वेदना प्रबंध • गंभीर रोगी में वेदना तथा शमन – वेदना के सिद्धांत, वेदना की कोटियां, वेदना आकलन, वेदना के प्रति व्यवस्थित प्रतिक्रियाएं, वेदना प्रबंध, गंभीर रोगियों में शमन कूट–भेषज प्रभाव
यूनिट IX	10	❑ गहन देखभाल में संक्रमण नियंत्रण • गहन देखभाल यूनिट में नोसोकामियल संक्रमण; मैथिल विरोधी स्टैफीलोकाकस औरियस (एमआरएसए) विसंक्रमण,

2643 GI/07-2

		निर्जीवाणूकरण, स्टाफ के लिए मानक सुरक्षोपाय, रोगनिरोध
यूनिट X	10	❑ परिचर्या प्रक्रिया का परिचय • आकलन • परिचर्यात्मक निदान • परिचर्यात्मक देखभाल योजना • कार्यान्वन • मूल्यांकन
यूनिट XI	10	❑ संचार कौशल और आईपीआर • प्रक्रिया और विधियां • उत्तम आईपीआर स्थापित करना और बनाए रखना तथा परिवार, स्टाफ और सहकर्मियों के साथ संपर्क • बहुविषयक्षेत्रीय दल तथा नर्सों की भूमिका ❑ मार्गदर्शन और परामर्श
यूनिट XII	10	❑ गंभीर रोगी में पोषणिक प्रबंध • रोगी के पोषणिक स्तर का मूल्यांकन • गंभीर रोगी के अल्पपोषण के प्रभाव • द्रव और इलेक्ट्रोलाइट प्रबंध • पोषण सहायता प्रदान करना • चिकित्सीय आहार--विभिन्न रोग स्थितियां, समग्र आन्त्रेतर और ऐन्टीरल पोषण
यूनिट XIII	5	❑ मरणासन्न रोगियों की देखभाल – मरणासन्न को आध्यात्मिक सहायता – शोक और शोक व्यक्त करने की प्रक्रिया – गमी के मौके पर सहायता – अंगदान और परामर्श – मृत व्यक्ति की देखभाल

गंभीर देखभाल परिचर्या II

विवरण:

यह पाठ्यक्रम हृद वाहिका, श्वसन, तंत्रिका, जठन आन्त्र, वृक्क तंत्रों, बर्न्स, अभिघातों, बालरोग तथा प्रसूति वैज्ञानिक आपातिक स्थितियों की सामान्य गंभीर स्थितियों तथा उनकी देखभाल की समझ विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

उद्देश्य:

छात्र निम्न बातों में समर्थ हो जाएगा:

1. हृद वाहिका, श्वसन तंत्रिका, जठन आत्र, वृक्क तंत्रों, बर्न्स, अभिज्ञात, बालरोग तथा प्रसूति वैज्ञानिक आपातिक स्थितियों के निदानशास्त्र, विकारीशरीरक्रिया, संकेतों और संलक्षणों, जाचों, चिकित्सीय तथा शल्यक्रियात्मक प्रबंध और जटिलताओं का वर्णन करना।
2. विभिन्न नैदानिक और चिकित्सीय क्रियाविधियों में नर्सों की भूमिका का वर्णन करना।
3. हृद वाहिका, श्वसन, तंत्रिका, जठर आंत्र, वृक्क तंत्रों, बर्न्स, प्रतिघातों, बालरोग तथा प्रसूति वैज्ञानिक आपातिक स्थितियों सहित गंभीर देखभाल स्थितियों वाले रोगियों को परिचर्या प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए व्यापक देखभाल प्रदान करना।

सिद्धांत : 155 घंटे

विषय	घंटे	अंतर्वस्तु
यूनिट I	15	❑ जठर आंत्र तंत्र • कारण, विकारी शरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध, निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा परिचर्यात्मक प्रबंध – गंभीर जठर आंत्र रक्तस्राव, यकृत विकृतियां: फल्मीनेंट यकृत पात, यकृत मस्तिष्क विकृति, गंभीर अग्न्याशयशोथ, गंभीर आंत्र अवरोध, पर्फोरेटिव पर्युदर्याशोथ
यूनिट II	10	❑ वृक्क तंत्र • कारण, विकारी शरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध, निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा परिचर्यात्मक प्रबंध – गंभीर वृक्कपात, चिरकालीन वृक्क पात, गंभीर नलिका नेक्रोसिस, मूत्राशय अभिघात • प्रबंध प्रविधियां – रुधिर अपोहन, पर्युदर्या अपोहन, सतत ऐम्ब्यूलेटरी पर्युदर्या अपोहन, सतत धमनीय शिरा रुधिर अपोहन, वृक्क प्रतिस्थापन

यूनिट III	15	❑ तंत्रिका तंत्र ● कारण, विकारी शरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध, निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा परिचर्यात्मक प्रबंध – सामान्य तंत्रिका वैज्ञानिक विकृतियाः प्रमसितष्क वाहिका रोग, प्रमस्तिष्क वाहिका दुर्घटना ग्रह विकार, गुइलेन बेरे संलक्षण, गंभीर पेशदुर्बलता कोमा, सतत वर्धी अवस्था, मस्तिष्क विकृति, सिर में चोट, सुषुम्ना में चोट ● प्रबंध प्रविधियां – उच्च रक्तदाब की देखभाल, कपाल छेदन ● तंत्रिका वैज्ञानिक विकृतियों से संबंधित समस्याएं – ताप नियमन, बेहाशी, बहिःसरण संलक्षण
यूनिट IV	10	❑ अन्तःस्रावी तंत्र ● कारण, विकारी शरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध, निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा परिचर्यात्मक प्रबंध – अल्पग्लूकोजरक्तता, मधुमेह कीटोऐसिडोसिस, अवटु संकट, मिक्सीडीमा कोमा, अधिवृक्क संकट, प्रतिमूत्रल हार्मोन का अपर्याप्त/अतिस्राव (एसआईएडीएच)
यूनिट V	20	❑ अन्य आपातिक स्थितियों की देखभाल ● प्रतिघात – क्षति की प्रक्रिया, वक्ष क्षतियां, उदरीय क्षतियां, श्रोणि अस्थिभंग, प्रतिघात की जटिलताएं, सिर की चोटें ● स्तब्धता (शॉक) – स्तब्धता संलक्षण, हाइपोवैल्मिक स्तब्धता, हृदजन्य स्तब्धता, तंत्रिकाजन्य स्तब्धता, पूति स्तब्धता ● तंत्रानुसार शोथ प्रतिक्रिया – शोथ प्रतिक्रिया, बहुअंग दुष्क्रिया संलक्षण ● प्रसृत अंतःवाहिका स्कन्दन; औषधि की अतिमात्रा तथा विषाक्तता, एड्स; ऐक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशेंसी संलक्षण
यूनिट VI	25	❑ गहन हृदवक्ष परिचर्या ❑ हृदवक्ष विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल की परिचर्या के सिद्धांत ● आकलनः हृदवाहिका तंत्र – हृदय ध्वनियां, नैदानिक अध्ययनः हृद एन्जाइम अध्ययन, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक रिकार्डिंग, होल्टर मानीटरन, दबाव परीक्षण, ईको कार्डियोग्राफी, परिहृद

		वाहिका चित्रण, न्यूक्लीयर चिकित्सा अध्ययन • कारण, विकारी शरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध, निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा परिचर्यात्मक प्रबंध – अतिरक्तदाबी संकट, परिहृद धमनीय रोग, गंभीर हृदपेशी रोधगलन, हृत्पेशीविकृति, गहरा शिरा घनास्रता, कपाटिकी रोग, हृद्रोध, हृदअतालता और चालन विक्षोभ, ऐन्यूरिज्म, अन्तर्हृदशोथ, हृदपात, हृद फुप्फुस पुनरुज्जीवन बीसीएलएस / एसीएलएस • प्रबंध प्रविधियां – घनास्रलापी चिकित्सा, पेसमेकर, अस्थायी और स्थायी, त्वचाप्रवेशी पारप्रदीपी परिहृद ऐन्जियोप्लास्टी, कार्डियोवर्शन, इन्ट्रा ऐरोटिक बैलून पल्सेशन्स, डीफाइब्रिलेशन्स, हृदशल्यक्रियाएं, परिहृद धमनी बाइपास निरोप (सीएबीज / एमआईसीएएस) कपाटिकी शल्यक्रियाएं, हृदय प्रतिस्थापन, आटोलोगस रुधिर आधान, रेडियोआवृत्ति कैथीटर अंशोच्छेदन
यूनिट VII	20	❑ श्वसन तंत्र • अम्ल आधार संतुलन तथा असंतुलन • आकलनः इतिहास और शारीरिक जांच–नैदानिक परीक्षण – नाडी आक्सीमीटरी, ऐण्डटाइडल कार्बन डायोक्साइड मानीटरन, धमनीय रुधिर गैस अध्ययन, वक्ष रेडियोग्राफी, फुप्फुस ऐन्जियोग्राफी, श्वसनीदर्शन, फुप्फुस कार्यकरण परीक्षण, संवातन, द्रवनिवेशन स्कैन, फुप्फुस संवातन स्कैन • कारणः विकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं पूर्वानुमान प्रबंधः सामान्य फुप्फुस विकारों की चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा परिचर्यात्मक देखभाल – नीमोनिया, सतत दमा, अंतरालीय फुप्फुसी रोग, फुप्फुसावरणी निःसरण, चिरकालीन अवरोधात्मक फुप्फुस रोग, फुप्फुसी क्षयरोग, फुप्फुसी ऐडीमा, फुप्फुस पात, फुप्फुस धमनी अंतःशल्यता, गंभीर श्वसन पात, गंभीर श्वसन कष्ट संलक्षण (एआरडीएस) वक्ष प्रतिघात रक्तवक्ष वातपक्ष • देखभाल प्रविधियां – वायुमार्ग देखभाल • संवातक देखभाल – आक्रामक, गैर–आक्रामक, दीर्घकालीन यांत्रिक

		संवातक ● श्वसन स्वस्थवृत्त – नेब्यूलाइजेशन, गहरे सांस लेने का व्यायाम, वक्ष भौतिक चिकित्सा, स्थितिज निकास, अंतरापर्शुका निकास, वक्षशल्यक्रिया
	15	❑ बर्न्स ● नैदानिक कोटियां, वर्गीकरण, विकारीशरीरक्रिया, नैदानिक विशेषताएं, आकलन, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध: बर्न्स का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक और परिचर्यात्मक प्रबंध ● द्रव और इलेक्ट्रोलाइट चिकित्सा–द्रवों की गणना और उसका प्रशासन ● वेदना प्रबंध ● व्रण देखभाल ● संक्रमण नियंत्रण ● बर्न जटिलताओं की रोकथाम और प्रबंध ● निरोप और प्रालम्ब ● पुनर्रचनात्मक शल्यक्रिया ● पुनर्वास
यूनिट VIII	10	❑ नवजात बालरोग परिचर्या कारण, विकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, नैदानिक, पूर्वानुमान, प्रबंध: नवजात आपातिक स्थितियों की चिकित्सीय, – शल्यक्रियात्मक तथा परिचर्यात्मक प्रबंध नवजात का आकलन, जन्म के समय न्यून भार वाला शिशु, नवजात श्वासावरोध, नवजातों में विकृतिजन्य पीलियां, नवजात ग्रह, चयापचयी विकार, अंतःकपाल रक्तस्राव, नवजात पूतिता, आरडीएस/एचएमडी (श्वसन कष्ट संलक्षण/काचाभकला रोग) सतत दमा – जन्मजात विकार श्याव हृदय रोग, श्वास प्रणाल ग्रासनली नालव्रण, जन्मजात अतिवृद्ध जठर निर्गम संकीर्णता, अछिद्री गुदा बालरोग आपातिक स्थितियां – निर्जलीकरण, गंभीर श्वसन नीमोनिया, गंभीर श्वसन कष्ट संलक्षण, विषाक्तता, आगंतुक शल्य ● बच्चे और परिवार के मनोवैज्ञानिक मुद्दे ● प्रबंध प्रविधियां – अल्पताप का प्रबंध, संवाती प्रबंध

यूनिट IX	15	❑ प्रसूति वैज्ञानिक आपातिक स्थितियां कारण, विकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, नैदानिक, पूर्वानुमान, प्रबंधः नवजात आपातिक स्थितियों की चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा परिचर्यात्मक प्रबंध – प्रसव–पूर्व रक्तस्राव, प्राक्गर्भाक्षेपक, गर्भाक्षेपक, अवरुद्ध प्रसव तथा विदारित गर्भाशय

पर्यवेक्षण तथा प्रबंध, नैदानिक शिक्षण, प्रारंभिक अनुसंधान तथा सांख्यिकी

कुल घंटे: 90

खंड–ए	**पर्यवेक्षण और प्रबंध**	**30 घंटे**
खंड–बी	नैदानिक शिक्षण	**30 घंटे**
खंड–सी	प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी	**30 घंटे**

विवरण:

यह पाठ्यक्रम पर्यवेक्षण और प्रबंध, नैदानिक शिक्षण तथा अनुसंधान के सिद्धांतों की समझ विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

उद्देश्य:

पाठ्यक्रम के समाप्त होने पर छात्र निम्न बातों में सक्षम होगा:

1. व्यावसायिक अभिवृत्तियों का वर्णन करना।
2. गंभीर देखभाल यूनिट तथा आईसीयू स्थितियों में परिचर्या कार्मिकों के प्रबंध और पर्यवेक्षण में नर्स की भूमिका का वर्णन करना।
3. नर्सों तथा संबद्ध कार्मिकों को गंभीर देखभाल परिचर्या में शिक्षण प्रदान करना।
4. अनुसंधान प्रक्रिया का वर्णन करना तथा बुनियादी सांख्यिकी परीक्षण करना।
5. गंभीर देखभाल परिचर्या में अनुसंधान की योजना बनाना और अनुसंधान करना।

विषय	घंटे	विषय
यूनिट I	20	**पर्यवेक्षण और प्रबंध** ❑ प्रबंध • परिभाषा और सिद्धांत • गंभीर देखभाल यूनिट के प्रबंध के तत्व: योजना बनाना, आयोजित करना, स्टाफ व्यवस्था, रिपोर्ट प्रस्तुत करना, रिकार्डिंग तथा बजट निर्माण • आईसीयू तथा गंभीर देखभाल यूनिट प्रबंध: समय, सामग्री और कार्मिक • एक आदर्श आईसीयू तथा गंभीर देखभाल यूनिट का खाका और डिजाइन • गंभीर रोगियों के लिए परिवहन सेवाएं – परिवहन की आयोजना – परिवहन के लिए मनुष्य और सामग्री की आयोजना

		(सचल वैन तंत्र) – अस्पताल–पूर्व देखभाल (परिवहन के दौरान प्रतिघात) ❑ नैदानिक पर्यवेक्षण • पर्यवेक्षण का परिचय, परिभाषा तथा उद्देश्य • पर्यवेक्षण के सिद्धांत और कार्य • पर्यवेक्षकों के गुण • नैदानिक पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारियां • गंभीर देखभाल यूनिटों के अभ्यास मानक – नीतियां और कार्यविधियां – स्थायी आदेश तथा प्रोटोकाल स्थापित करना • नई भर्ती वालों के लिए दिशा–अनुकूलन कार्यक्रम ❑ गंभीर देखभाल यूनिटों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम • परिचर्या आडिट ❑ निष्पादन मूल्यांकन • निष्पादन मूल्यांकन के सिद्धांत • निष्पादन मूल्यांकन के साधन – योग्यताक्रम निर्धारण मापक्रम – पड़ताल सूचियां – समकक्षों द्वारा समीक्षाएं – स्व–मूल्यांकन ❑ स्टाफ विकास • परिचय और प्रयोजन • सेवाकालीन शिक्षा • सतत शिक्षा
यूनिट II	5	❑ व्यावसायिक अभिवृत्तियां • परिचय • नीति संहिता, व्यावसायिक आचरण संहिता तथा भारत में परिचर्या के अभ्यास मानक • गंभीर देखभाल यूनिट में नैतिक मुद्दे • नर्स की बढती हुई भूमिका: विशेषज्ञ नर्स, नर्स व्यावसायिक आदि • व्यावसायिक संगठन
यूनिट III	5	❑ चिकित्सा–विधिक पक्ष • गंभीर देखभाल संबंधी कानून और विनियम • उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (सीपीए) • लापरवाही और कदाचार

2643GI/07-3

		• नर्सों के विधिक दायित्व – रोगी के अधिकार, सुखमृत्यु का विधेयक – अस्पताल में सेवाओं की लापरवाही संबंधी निर्णय के मामला अध्ययन • रिकार्ड और रिपोर्टें • विधिक मुद्दों में नर्स की भूमिका • गंभीर देखभाल यूनिट में व्यावसायिक व्यवहार मुद्दे – गंभीर देखभाल में जैव–नैतिक मुद्दे नीतिशास्त्र, नैतिक सिद्धांत, उपचार रोकना और हटाना, गंभीर देखभाल यूनिट में नैतिक निर्णय लेना व्यावसायिक आचरण की संहिता और अभ्यास मानक
यूनिट IV	30	❑ अध्यापन–अधिगम प्रक्रिया • परिचय और अवधारणाएं • अध्यापन और अधिगम के सिद्धांत • अधिगम लक्ष्यों का सृजन • पाठ योजना • शिक्षण विधियां – लेक्चर – निदर्शन, अनुकरण – चर्चा – नैदानिक शिक्षण विधियां – सूक्ष्म शिक्षण – स्व–अधिगम • मूल्यांकन – छात्रों का आकलन o प्रयोजन o कोटि o उपाय o ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति का आकलन करने के साधन • अध्यापन अधिगम प्रक्रिया में मीडिया का प्रयोग
यूनिट V	30	❑ अनुसंधान • अनुसंधान और अनुसंधान प्रक्रिया • अनुसंधान की कोटियां • अनुसंधान समस्या/प्रश्न • साहित्य समीक्षा

		• अनुसंधान दृष्टिकोण और डिजाइन • प्रतिदर्श • डाटा संग्रहः साधन और तकनीक • डाटा का विश्लेषण और व्याख्या • संचार तथा अनुसंधान का उपयोग • गंभीर देखभाल में अनुसंधान प्राथमिकताएं ❑ सांख्यिकी • डाटा के स्रोत और प्रस्तुति – गुणवत्तात्मक तथा परिमाणात्मक – सारणीकरणः आवृत्ति विभाजन, प्रतिशतताएं – ग्राफीय प्रस्तुति • केन्द्रीय अभिवृत्ति के माप–औसत, माध्यिका, पद्धति • विसंगति के माप • सामान्य प्रायिकता और महत्व के परीक्षण • सह संबंध का गुणांक • सांख्यिकी पैकेज और इसका अनुप्रयोग • एक अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करना ❑ कंप्यूटरों के अनुप्रयोग

अध्यापन अधिगम क्रियाकलाप

(i) शिक्षण की विधियां

- लेक्चर
- निदर्शन और चर्चा
- पर्यवेक्षित अभ्यास
- सेमीनार
- भूमिका निर्वाह
- कार्यशाला
- सम्मेलन
- कौशल प्रशिक्षण
- अनुकरण
- क्षेत्रीय दौरे
- अनुसंधान परियोजना

(ii) ए.वी. सहायक सामग्री

- ओवरहैड प्रोजेक्टर
- स्लाइड प्रोजेक्टर
- ब्लैकबोर्ड
- ग्राफिक सहायक सामग्री
- कार्यक्रमित–वीडियो कार्यक्रम
- माडल तथा नमूने
- एलसीडी प्रोजेक्टर
- कंप्यूटर

(iii) मूल्यांकन की विधियां

- लिखित परीक्षा
- वस्तुनिष्ठ प्रकृति
- संक्षिप्त टिप्पणियां
- ऐसाइनमेंट
- मामला अध्ययन / देखभाल टिप्पणियां
- नैदानिक प्रस्तुति
- सेमीनार
- परियोजना

अनिवार्य नैदानिक/व्यावहारिक क्रियाकलाप

(i) रोगी देखभाल ऐसाइनमेंट्स

(ii) आबंटित गंभीर रोगी के लिए परिचर्या देखभाल योजना लिखना

(iii) मामला अध्ययन लिखना – 5

(iv) मामला प्रस्तुतियां – 5

(v) विभिन्न ओटी की प्रेक्षण रिपोर्ट लिखना

(vi) नियोजित स्वास्थ्य शिक्षण – 3

(vii) परियोजना– 1

(viii) नैदानिक शिक्षण – 3

(ix) औषधि अध्ययन – 2

(x) शय्यागत परिचर्या करना

(xi) नैदानिक आवर्तन योजना बनाना

(xii) छात्रों के लिए नैदानिक शिक्षण योजना तैयार करना

(xiii) छात्रों/स्टाफ का नैदानिक मूल्यांकन करना

(xiv) यूनिट प्रबंध योजना तैयार करना

(xv) पर्यवेक्षण तकनीक–यूनिट रिपोर्ट लिखना, निष्पादन मूल्यांकन, मार्गदर्शन, स्टाफ आबंटन, सामग्री प्रबंध

(xvi) रिकार्डों और रिपोर्टों का रखरखाव

I. अनिवार्य गंभीर देखभाल परिचर्या कौशल

(i) ईकोकार्डियोग्राम

(ii) अल्ट्रासाउंड

(iii) मानीटरिंग आईसीपी

(iv) सीटी स्कैन

(v) एमआरआई

(vi) पेट स्कैन

(vii) ऐन्जियोग्राफी

(viii) हृद कैथिटर प्रवेशन

(ix) ऐन्जियोप्लास्टी

(x) विभिन्न शल्यक्रियाएं

(xi) कोई अन्य

II. सहाय्यित क्रियाविधियां

(i) मानीटरन आंईसीपी

(ii) उन्नत हृदजीवन सहायता

(iii) धमनीय रक्त गैस

(iv) ईसीजी रिकार्डिंग

(v) धमनीय कैथीटर प्रवेश

(vi) वक्ष नलिका प्रवेशन

(vii) अंतःश्वासनली नलिका प्रवेशन

(viii) संवातन

(ix) केन्द्रीय रेखा, धमनीय रेखा, हृद पेसिंग

(x) डीफाइब्रिलटर का प्रयोग, हृद फुफ्फुस पुनरुज्जीवन

(xi) गुहांतदर्शन

(xii) अपोहन–रुधिर अपोहन तथा पर्यूदर्या अपोहन

(xiii) अंतःशिरा पाइलोग्राफी (आईबीपी)

(xiv) ईईजी

(xv) श्वसनी दर्शन

III. निष्पादित क्रियाविधियां

(i) तंत्रिका वैज्ञानिक आकलनः ग्लासगो कोमास्केल

(ii) नाडी आक्सीमीट्री

(iii) धमनीय बीपी मानीटरन

(iv) शिरा पहुंच, एबीजी संग्रह मानीटरन

(v) आक्सीजन चढ़ाना, चूषण, श्वसन चिकित्सा, ट्रैक्टियोटामी टायलेट

(vi) वायुमार्ग प्रबंध

(क) ओरो ग्रसनी वायुमार्ग का प्रयोग

(ख) श्वासप्रणाली छिद्रीकरण की देखभाल

(ग) श्वास प्रणाल छिद्रीकरण की देखभाल

(घ) अंतःश्वासनली नलिका प्रवेशन करना

(vii) अंतरापर्शुका निकास की देखभाल

(viii) नेब्यूलाइजेशन

(ix) वक्ष भौतिक चिकित्सा

(x) गंभीर रोगियों का मानीटरन–नैदानिक रूप से तथा मानीटरों सहित, सीआरटी (कैपिलरी रिफिल समय), ईसीजी

(xi) जठर धावन

(xii) संवातक स्थापित करना

(xiii) नवजातों का आकलनः जोखिम तत्वों की पहचान और आकलन, एपीजीएआर अंक

(xiv) गंभीर रोगियों का दाखिला और छुट्टी

(xv) ओजी (औरोगैस्ट्रिक) नलिका प्रवेशन

(xvi) तापनियमन–तापनियमन की व्यवस्था करना और नियंत्रण, हाइपोथर्मिया मशीनों का प्रयोग

(xvii) औषधियां खिलाना: आई/एम, IV इंजेक्शन, IV कैन्यूलेशन तथा फिक्सेशन इन्फ्यूजन पम्प, खुराकों की गणना, द्रवचिकित्सा का मानीटरन

(xviii) रुधिर और इसके घटक चढ़ाना

(xix) संक्रमणों को रोकने की क्रियाविधियां: हाथ धोना, विसंक्रमण तथा निर्जीवाणूकरण, निगरानी, फ्यूमीगेशन

(xx) गंभीर देखभाल संबंधी नमूनों का संग्रह

(xxi) बर्न्स: आकलन, द्रव–क्रिस्टैलायड तथा कोलैयाड की गणना

(xxii) अंतर्गहरण और निकासी चार्ट बनाए रखना

(xxiii) घावों की मरहमपट्टी करना तथा अवकुंचनों की रोकथाम

(xxiv) पुनर्वास

IV. अन्य क्रियाविधियां

टी. दिलीप कुमार, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/102/2007–असा.]

INDIAN NURSING COUNCIL

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th May, 2007

F .No. 11-1/2007 -INC.—In exercise of the powers conferred by Section 16 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), the Indian Nursing Council hereby makes the following Regulations namely:—

(i) **Short Title and Commencement:** —These Regulations may be called the "Post Basic Diploma in Critical Care Nursing 2005".

(ii) These regulations will become effective from the session 2007-08.

GUIDELINES FOR STARTING THE POST BASIC DIPLOMA IN CRITICAL CARE NURSING

The Programme may be offered at

(A) The Government (State/Center/Autonomous) nursing teaching institution offering diploma or degree programmes in nursing having parent/affiliated Government Hospital facilities of critical care & ICU.

Or

(B) Other non-Government nursing teaching institution offering diploma or degree programmes in nursing having parent Hospital facilities of critical care & ICU.

Or

(C) 250—500 bedded Hospital, which has a 8-10 beds critical care beds & ICUs

RECOGNITION PROCEDURE

1. Any institution which wishes to start post basic diploma in critical care nursing should obtain the No Objection/ Essentiality certificate from the State Government. The institutions which are already recognized by INC for offering diploma/degree programmes in nursing are exempted for obtaining the No Objection/Essentiality certificate.

2 The Indian Nursing council on receipt of the proposal from the Institution to start nursing program (School/ College), will undertake the inspection to assess suitabiliiy with regard to physical infrastructure, clinical facility and teaching faculty in order to give permission to start the programme.

3. After the receipt of the permission to start the nursing programme from Indian Nursing Council, the institution shall obtain the approval from the State Nursing Council and Examination Board/ University.

4. Institution will admit the students only after taking approval of State Nursing Council and Examination Board/ University.

5. The Indian Nursing Council will conduct inspection for two consecutive years for continuation of the permission to conduct the programme.

STAFFING

1. Full time teaching faculty in the ratio of 1:5

   Minimum number of teaching faculty should be 2 (two)

   Qualification: (1) M.Sc Nursing with Medical Surgical Specialty

   (2) Post basic diploma in critical care nursing

   Experience: Minimum 3 years

2. Guest faculty: Multi-disciplinary in related specialties

BUDGET

There should be budgetary provision for staff salary, honorarium for part time teachers, clerical assistance, library and contingency expenditure for the programme in the overall budget of the institution.

PHYSICAL FACILITIES

1. Class room - 1
2. Nursing Laboratory - 1
3. Library - Permission to use medical/hospital library having current nursing textbooks & journals in critical care, medical surgical, cardiac, respiratory, emergency nursing, burns, neuro, renal, trauma etc.
4. Teaching Aids - Facilities for the use of
   * Overhead projector * Slide Projector slides
   * TV with VCP or VCR, Video casattes * LCD projector
   * Computer, CDs, DVD player, DVD's
   * Equipment for demonstration of skills (manikins, simulators, models, specimens etc.)
5. Office facilities
   * Services of typist, peon, safai karamchari
   * Facilities for office, equipment and supplies, such as * Stationary
     — Computer with printer
     — Xerox machine/Risograph
     — Telephone and fax

CLINICAL FACILITIES

Minimum Bed strength

* 250—500 beds
* ICU beds :≥ 10

ADMISSION TERMS AND CONDITIONS

The student seeking admission to this course should :

1. Be a registered nurse (R.N & R.M) or equivalent.
2. Possess a minimum of one year experience as a staff nurse.
3. Nurses from other countries must obtain an equivalent certificate from INC before admission.
4. Be physically fit.
5. No. of seats
   - Hospital which is having 250—500 beds (8—10 ICU beds) no. of seats = 5—10
   - Hospital having more than 500 beds (20 or more ICU beds) no. of seats = 10—20

ORGANIZATION OF THE COURSE

I. DURATION: Duration of the course is one academic year.

II. DISTRIBUTION OF THE COURSE:

1.	Teaching: Theory & Clinical practice	42 weeks
2.	Internship	4 weeks
3.	Examination (including preparation)	2 weeks
4.	Vacation	2 weeks
5.	Public holidays	2 weeks
		52 weeks

III. COURSE OBJECTIVES:

General Objective:

At the end of the course the student will be able to develop an understanding of philosophy, principles, methods and issues, management, education and research in critical care nursing. Further more, this course will enable them to develop' skills and attitude in providing competent critical care nursing.

Specific Objectives:

At the end of the course the student will be able to :

1. Describe the concepts and principles of critical care nursing.
2. Communicate effectively with critically ill patients and their family members.
3. Perform advance cardiac life support skills.
4. Apply nursing process in caring of critically ill patients.
5. Participate effectively as a member of the health team.
6. Organize and demonstrate skills in management of critical care nursing services.
7. Make a plan for organization of critical care units.
8. Conduct research in critical care nursing.
9. Teach and supervise nurses and allied health workers.

IV. COURSE OF STUDIES:

		Theory	Practical
1.	Critical Care Nursing-I (Inclusive of foundation courses)	155 Hours	Integrated Clinical Practice
2.	Critical Care Nursing-II	155 Hours	
3.	Supervision & Management, Clinical Teaching, Elementary Research & Statistics		1280 Hours

2643 GI/07-4

		Theory	Practical
	(i) Supervision & Management	30 Hours	
	(ii) Clinical Teaching	30 Hours	
	(iii) Elementary Research & Statistics	30 Hours	
4.	Internship		160 Hours
	TOTAL	**400 Hours**	**1440 Hours**

• Hours distributation for theory and practice	42 weeks × 40 hours/week = 1680 hours
• Block classes	4 weeks × 40 hours/week =160 hours
• Integrated theory & clinical practice	38 weeks × 40 hours/week = 1520 hours
- (Theory 400 hrs)* Theory 6 hours /week	38 weeks × 6 hours/week = 240 hours
- Clinical experience 34 hours/weeks	38 weeks × 34 hours/week = 1280 hours
Internship	4 weeks × 40 hours = 160 hours.

V. CLINICAL EXPERIENCE

Areas of clinical experience required

Clinical experience must be provided as the stipulated clinical hours. The students should be posted in Critical Care Units.

Sl. No.	Clinical Area		Weeks (38 hrs./week)
1.	Critical care units and wards	General	8 weeks
2.	Cardiac & Respiratory	Medical	6 weeks
3.	Critical Care Units	Surgical	6 weeks
4.	OTs (Cardiac, neuro, respiratory, renal, major abdominal surgeries)		4 weeks
5.	Casualty/Diagnostic test		3 weeks
6.	Neuro and trauma		4 weeks
7.	Renal		2 weeks
8.	Obstretical and pediatric emergencies		2 weeks
9.	Burns & plastic surgery		3 weeks
Internship : In any of the above critical care units			4 weeks

VI. EXAMINATION SCHEME

	Int. Ass. Marks	Ext. Ass. Marks	Total Marks	Duration (in hours)
A. Theory				
Paper I - Clinical Nursing I	50	150	200	3
Paper II - Clinical Nursing II	50	150	200	3
Paper III - Supervision & Management, Clinical Teaching, Elementary Research & Statistics	50	150	200	3
B. Practical				
Clinical Nursing (teaching & supervision to be integrated)	100	100	200	
Grand Total		**250**	**550**	**800**

C. CONDITIONS FOR ADMISSION TO EXAMINATION

The Student:

1. Has attended not less than 75% of the theoretical instruction hours in each subject during the year.
2. Has done not less than 75% of the clinical practical hours. However, students should make up 100% of attendance for integrated practice experience and internship in term of hours and activities before awarding the certificate.

VII. EXAMINATION

The examination to be conducted by the State Nursing Registration Council/State Nursing Examination Board/University recognized by the Indian Nursing Council.

VIII. STANDARD OF PASSING

1. In order to pass a candidate should obtain at least 50% marks separately in internal Assessment and external examination in each of the theory practical and papers.
2. (a) Less than 60% is Second division,

   (b) 60% and above and below 75% is First division,

   (c) 75% and above is Distinction.
3. Students will be given opportunity of maximum of 3 attempts for passing.

IX. CERTIFICATION

A. TITLE - Post Basic Diploma In **Critical Care Nursing.**

B. A diploma is awarded upon successful completion of the prescribed study programme, which will state that

(i) Candidate has completed the prescribed course of Critical Care Nursing

(ii) Candidate has completed prescribed clinical experience.

(iii) Candidate has passed the prescribed examination.

CRITICAL CARE NURSING - I

(Including Foundation Courses)

Description:

This course is designed to develop an understanding of the concepts, principles and practices of biological and behavioral sciences in caring for critically ill patients.

Objectives:

At the end of the course the student will be able to:

1. Describe the concept and principles of behavioral, biological and nursing sciences as applied to critical care nursing.
2. Describe the various drugs used in critical care and nurses responsibility.
3. Describe the concepts & principles of critical care nursing.
4. Identify the sources of stress and manage burnout syndrome among health care providers.
5. Identify the psychosocial problems of patients and family members and provide holistic care.
6. Apply nursing process in providing comprehensive care to critically ill patients.
7. Practice infection control measures.
8. Assess and manage pain.

9. Recognise the nutritional needs of critically ill patients and their management.
10. Assisting patient and family to cope with emotional and spiritual distress and grief anxiety.

Theory = 155 hours

Subject	Hours	Content
(1)	(2)	(3)
Unit I	10	**Psychology** ❑ Review • Individual differences • Learning, Motivation, attention & perception • Emotions • Human behavior & needs in crisis • Stress & coping in crisis situations • Leadership • Communication and IPR • Counselling • Attitudes and humanizing care
Unit II	10	**Sociology** ❑ Review • Social organization & community resources • Leadership roles in community • Family and family relationships • Socio cultural influences
Unit III	10	**Microbiology** ❑ Review • Immunity • Infection • Principles of asepsis, Sterilization & disinfection • Diagnostic tests in Microbiology & related nurses' responsibility • Standard safety measures & biomedical waste management
Unit IV	20	**Applied Anatomy & Physiology** ❑ Review • Neurological system • Respiratory system • Cardiovascular system • Gastro intestinal system • Endocrine system • Musculoskeletal system • Genitourinary system • Reproductive system • Sensory organs
Unit V	30	**Pharmacology** ❑ Review • Pharmacokinetics • Analgesics/Anti-inflammatory agents • Antibiotics, antiseptics. Drug reaction & toxicity

(1)	(2)	(3)
		• Drugs used in critical care unit (inclusive of ionotropic) • Drugs used in various body systems • Blood and blood components • Principles of drug administration, role of nurses and care of drugs
Unit VI	10	❑ **Introduction to Critical Care nursing** • Historical review • Concepts of critical care nursing • Principles of critical care nursing • Scope of critical care nursing • Critical care unit set up including equipments, supplies, use and care of various type of monitors, ventilators • flow sheets
Unit VII	15	❑ **Concept of Holistic care applied to critical care nursing practice** — Psychophysiological & Psychosocial impact of critical care unit on patients:— Risk factors, Assessment of patients, Critical care psychosis, Prevention & nursing care for patients affected with Psychophysiological & Psychosocial problems of critical care unit, Caring for the patient's family, family teaching — The dynamics of healing in critical care unit: — Dynamics of touch, Relaxation, Music therapy, Guided Imagery Stress and burnout syndrome among health team members
Unit VIII	5	❑ Pain Management • Pain & sedation in critically ill — Theories of pain, Types of pain, Pain assessment, Systemic responses to pain, Pain management, Sedation in critically ill patients, Placebo effect
Unit IX	10	❑ Infection control in intensive care unit. • Nosocomial infection in intensive care unit; methyl resistant staphylococcus aureus (MRSA), Disinfection, Sterilization, Standard Precautions, Prophylaxis for staff
Unit X	10	❑ Introduction to Nursing Process • Assessment • Nursing diagnosis • Nursing care plan • Implementation • Evaluation
Unit XI	10	❑ Communication Skills & IPR • Process & methods • Establishing & maintaining good IPR & communication with family, staff and colleagues • Multidisciplinary team & role of nurses ❑ Guidance & Counseling
Unit XII	10	❑ Nutritional Management in the critically ill patient • Assessing nutritional status of patient

(1)	(2)	(3)
		• Implications of under nourishment in critically ill patients • Fluid & electrolyte management • Administering nutrition support, • Therapeutic diet - Various disease conditions, Total parenteral and enteral nutrition
Unit XIII	5	❑ Care of dying patients • Spiritual support to the dying • Grief and grieving process • Bereavement support • Organ donation & Counselling • Care of dead

CRITICAL CARE NURSING - II

Description :

This course is designed to develop an understanding of common critical conditions of cardiovascular, respiratory, neuro, gastrointestinal, renal systems, burns, trauma, pediatric & obstetric emergencies and their management.

Objectives :

The students will be able to :

1. Describe the etiology, pathophysiology, signs & symptoms investigations, medical & surgical management & complications of cardiovascular, respiratory neuro, gastrointestinal, renal systems, burns, trauma, pediatric & obstetric emergencies.
2. Describe nurses role in various diagnostic & therapeutic procedures.
3. Provide comprehensive care to patients with critical care conditions of cardiovascular, respiratory neuro, gastrointestinal, renal systems, burns, trauma, pediatric & obstetric emergencies using nursing process.

Theory = 155 Hours

Subject	Hours	Content
(1)	(2)	(3)
Unit I	15	❑ Gastrointestinal System • Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of : — Acute Gastrointestinal Bleeding, Hepatic Disorders:— Fulminent hepatic failure, Hepatic encephalopathy, Acute Pancreatitis, Acute intestinal obstruction, Perforative peritonitis
Unit II	10	❑ Renal System • Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of :— — Acute Renal Failure, Chronic Renal failure, Acute tubular necrosis, Bladder trauma • Management Modalities —Hemodialysis, Peritoneal Dialysis, Continuous Ambulatory Peritoneal Dialysis, Continuous arterio venous hemodialysis, Renal Transplant.
Unit III	15	❑ Nervous System — Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of: —Common Neurological Disorders:

(1)	(2)	(3)
		Cerebrovascular disease, Cerebrovascular accident, Seizure disorders, Guillein-Barre-Syndrome, Myasthenia Gravis, Coma, Persistent vegetative state, Encephalopathy, Head injury, Spinal Cord Injury • Management Modalities – Assessment of Intracranial pressure, Management of intracranial hypertension, Craniotomy • Problems associated neurological disorders – Thermo regulation, Unconsciousness, Herniation syndrome
Unit IV	10	❑ Endocrine System • Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of: – Hypoglycemia, Diabetic ketoacidosis, Thyroid crisis, Myxedema coma, Adrenal crisis, Syndrome of Inappropriate/hypersecretion of Antidiuretic Hormone (SIADH)
Unit V	20	❑ Management of other Emergency Conditions • Trauma – Mechanism of injury, Thoracic injuries, Abdominal injuries, Pelvic fractures, Complications of trauma, Head injuries • Shock – Shock syndrome, Hypovelmic shock, Cardiogenic shock, Anaphylactic shock, Neurogenic shock, Septic shock • Systemic Inflammatory Response • The inflammatory response, Multiple organ dysfunction syndrome • Disseminated Intravascular Coagulation, Drug Overdose and Poisoning, AIDS: Acquired Immuno Deficiency Syndrome
Unit VI	25	❑ Intensive Cardiothoracic Nursing ❑ Principles of Nursing in caring for patient's with Cardiothoracic disorders • Assessment: Cardiovascular System:— - Heart sounds, Diagnostic studies:-Cardiac enzymes studies, Electrocardiographic monitoring, Holter monitoring, Stress test, Echo cardiography, Coronary angiography, Nuclear medicine studies • Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of :— • Hypertensive crisis Coronary artery disease, Acute Myocardial Infarction, Cardiomyopathy, Deep vein thrombosis, Valvuiar diseases, Heart block, Cardiac arrhythmias & conduction disturbances. Aneurysms; Endocarditis, Heart failure Cardio pulmonary resuscitation - BCLS / ACLS - Management Modalities Thrombolytic therapy, Pacemaker temporary & permanent, Percutaneous transluminal coronary angioplasty, Cardioversion, Intra Aortic Balloon Pulsations, Defibrillations, Cardiac surgeries, Coronary Artery Bypass Grafts (CABG / MICAS), Valvulat surgeries, Heart Transplantation, Autologous Blood Transfusion, Radiofrequency Catheter Ablation.
UNIT VII	20	❑ Respiratory System • Acid-base balance & imbalance

(1)	(2)	(3)
		• Assessment: History & Physical Examination - Diagnostic Tests:— Pulse Oximetry, End-Tidal Carbon Dioxide Monitoring, Arterial blood gas studies, Chest Radiography, Pulmonary Angiography, Bronchoscopy, Pulmonary function Test, Ventilation perfusion scan, Lung ventilation scan • Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of Common Pulmonary Disorders : - Pneumonia, Status asthmaticus, Interstitial lung disease, Pleural effusion, Chronic obstructive pulmonary disease, Pulmonary tuberculosis, Pulmonary edema, Atelectasis, Pulumonary embolism, Acute respiratory failure, Acute Respiratory Distress Syndrome (ARDS); Chest Trauma Haemothorax Pneumothorax • Management Modalities: – Airway Management • Ventilatory Management: - Invasive, non-invasive, long-term mechanical ventilations • Bronchial Hygiene: • Nebulization, deep breathing exercise, chest physiotherapy, postural drainage Inter Costal Drainage, Thoracic surgeries
	15	❑ BURNS • Clinical types, classification, pathophsyiology, Clinical features, assessment, diagnosis, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of burns • Fluid and electrolyte therapy calculation of fluids and its administration • Pain management • Wound care • Infection control • Prevention and management of burn complications • Grafts and flaps • Reconstructive surgery • Rehabilitation
Unit VIII	10	❑ Neonatal Paediatric Nursing • Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of —Neonatal emergencies Assessment of newborn, Low Birth Weight infant, Asphyxia Neonatarum, Pathological Jaundice in Neonates, Neonatal seizures, Metabolic disorders, Intra cranial Hemorrhage, Neonatal Sepsis, RDS/HMD (Respiratory Distress Syndrome/Hyaline Membrane Disease), Status asthamaticus — Congenital disorders: Cyanotic heart disease, tracheo oesophageal fistula, congenital hypertropic pyloric stenosis, imperforate anus • Pediatric emergencies —Dehydration, Acute broncho pneumonia, Acute respiratory distress syndrome, Poisoning, Foreign bodies • Psychosocial issues of the child & family • Management modalities —Management of hypothermia, ventilatory management

(1)	(2)	(3)
Unit IX	15	❑ Obstetrical emergencies • Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of: — Antepartum haemorrhage, Preeclampsia, eclampsia, Obstructed labour and ruptured uterus, Post partum haemorrhage, Puerperal sepsis, obstetrical shock.

SUPERVISION AND MANAGEMENT, CLINICAL TEACHING, ELEMENTARY RESEARCH AND STATISTICS

Total Hours : 90

Section-A	Supervision & Management	-30 HRS
Section-B	Clinical Teaching	-30 HRS
Section-C	Elementary Research & Statistics	-30 HRS

Description:

This course is designed to develop an understanding of the principles of supervision and management, clinical teaching and research.

Objectives:

At the end of the course the student will be able to:

1. Describe Professional trends.
2. Describe role of nurse in management and supervision of nursing personnel in critical care unit & ICU.
3. Teach nurses and allied health workers about critical care nursing.
4. Describe research process and perform basic statistical tests.
5. Plan and conduct research in critical care nursing.

Subject	Hours	Content
(1)	(2)	(3)
Unit I	20	**Supervision & Management** ❑ Management * Definition & Principles * Elements of management of critical care unit : Planning, Organizing, Staffing, Reporting, Recording and Budgeting * ICU & critical care unit management : Time, material & personnel * Layout and Design of an Ideal ICU & critical care unit * Critically ill patients transport services - Planning of transport - Planning Men & Material for transportation (mobile van setup) - Pre-hospital care (trauma site, during transportation) ❑ Clinical supervision * Introduction, definition and objectives of supervision * Principles & Functions of supervision * Qualities of supervisors * Responsibilities of clinical supervisors * Practice Standards of critical care units - Policies and Procedures - Establishing Standing Orders and Protocols

(1)	(2)	(3)
		* Orientation programme for new recruits * Quality Assurance Programme in critical care units * Nursing audit ❑ Performance Appraisal * Principles of performance evaluation * Tools of performance appraisal - Rating scales - Checklists - Peer reviews - Self appraisals ❑ Staff development * Introduction & purposes * In-service education * Continuing education
Unit II	5	❑ Professional trends * Introduction * Code of Ethics, code of professional conduct and practice standards of Nursing in India * Ethical issues in critical care unit * Expanding role of the nurse: Specialist nurse, Nurse Practitioner etc * Professional organizations
Unit III	5	❑ Medico-Legal aspects * Legislations and regulations related to critical care * Consumer Protection Act (CPA) * Negligence & Malpractice * Legal responsibilities of nurses — Bill of right of a patient, Euthanasia — Case studies of judgment with regard to negligence of services in the Hospital * Records and Reports * Role of the nurse in Legal issues * Professional practice issues in the Critical Care Unit — Bioethical Issues in Critical Care: Ethics, Ethical principles, Withholding & withdrawing treatment, Ethical decision making in a critical care unit * Code of Professional conduct and Practice Standards
Unit IV	30	❑ Teaching learning process * Introduction and concepts * Principles of teaching and learning * Formulation of learning objectives * Lesson Planning

(1)	(2)	(3)
		* Teaching methods — Lecture — Demonstration, Simulation — Discussion — Clinical teaching methods — Micro teaching — Self learning ❑ Evaluation - Assessment of Students' Purposes Type Steps Tools for assessing knowledge, skill and attitude ❑ Use of media in teaching.learning process
Unit V	30	❑ Research * Research and research process * Types of Research * Research Problem/ Question * Review of Literature * Research approaches and designs * Sampling * Data collection: Tools and techniques * Analysis and interpretation of data: * Communication and utilization of Research * Research priorities in critical care
0		❑ Statistics * Sources and presentation of Data - qualitative and quantitative - Tabulation; frequency distribution, percentiles - Graphical presentation * Measures of central tendency mean; median, mode * Measures of variance * Normal Probability and tests of significance * Co-efficient of correlation. * Statistical packages and its application * Preparing a research proposal ❑ Application of computers

TEACHING LEARNING ACTIVITIES

(i) Methods of Teaching :

- ❖ Lecture
- ❖ Demonstration & Discussion
- ❖ Supervised practice
- ❖ Seminar
- ❖ Role play
- ❖ Workshop

- Conference
- Skill training
- Simulations
- Field Visits
- Research project

(ii) A. V Aids :

- Over head projector
- Slide Projector
- Black board
- Graphic Aids
- Programmed - Video shows
- Models & Specimens
- LCD projector
- Computer

(iii) Methods of Assessment :

- Written examination
- Objective type
- Short notes
- Assignments
- Case Studies/care notes
- Clinical presentation
- Seminars
- Project

ESSENTIAL CLINICAL/PRACTICAL ACTIVITIES

(i)	Patient Care Assignments		
(ii)	Writing of Nursing care plan for assigned critically ill patients		
(iii)	Writing case studies	–	5
(iv)	Case Presentations	–	5
(v)	Writing Observation report of various OT		
(vi)	Planned health teaching	–	3
(vii)	project	–	1
(viii)	Clinical teaching	–	3
(ix)	Drug study	–	2
(x)	Conduct bedside rounds		
(xi)	Prepare clinical rotation plan		
(xii)	Prepare clinical teaching plan for students		
(xiii)	Perform clinical evaluation of students/staff		
(xiv)	Unit management plan-Designing		
(xv)	Supervision techniques-Writing unit report, Performance appraisal, Guidance, Staff assignment, Material management		
(xvi)	Maintenance of Records and Reports		

Essential critical care nursing skills

I. Procedures Observed :

(i) Echocardiogram

(ii) Ultrasound

(iii) Monitoring ICP

(iv) CT SCAN

(v) MRI

(vi) Pet SCAN

(vii) Angiography

(viii) Cardiac cathetrisation

(ix) Angioplasty

(x) Various Surgeries

(xi) Any other

II. Procedures Assisted :

(i) Monitoring ICP

(ii) Advance Life Support System

(iii) Arterial Blood Gas

(iv) ECG Recording

(v) Arterial catheterization

(vi) Chest tube insertion

(vii) Endotracheal intubation

(viii) Ventilation

(ix) Central line, Arterial line, Cardiac pacing

(x) Use of defibrillator, Cardiopulmonary resuscitation

(xi) Endoscopy

(xii) Dialysis-Hemodialysis and peritoneal dialysis

(xiii) Intra venous pylography (IVP)

(xiv) EEG

(xv) Bronchoscopy

III. Procedures Performed :

(i) Neurological assessment; Glasgow coma scale

(ii) Pulse oxymetry

(iii) Arterial B P monitoring

(iv) Venous access, ABG collection monitoring

(v) Oxygen adminstration, Suctioning, Respiratory therapy, Tracheotomy toilet

(vi) Airway Management

(a) Application of Oro Pharyngeal Airway

(b) Oxygen therapy

(c) CPAP (Continuous Positive Airway Pressure)

(d) Care of Tracheostomy

(e) Endotracheal Intubation

(vii) Care of intercostal drainage

(viii) Nebulisation

(ix) Chest physiotherapy

(x) Monitoring of Critically ill patients—Clinically and with monitors, CRT (Capillary Refill Time), ECG

(xi) Gastric Lavage

(xii) Setting of Ventilators

(xiii) Assessment of Neonates:Identification & assessment of risk factors, APGAR Score

(xiv) Admission & discharge of critically ill patients

(xv) OG (Orgastric) tube insertion.

(xvi) Thermoregulation-management of thermoregulation & control, Use of hypothermia machines

(xvii) Administration of Drugs:I/M, IV injection, IV Cannulation & fixation infusion pump, Calculation of dosages, Monitoring fluid therapy,

(xviii) Administration of Blood and its components.

(xix) Procedures for prevention of infections: Hand washing, disinfection & sterilization, surveillance, fumigation

(xx) Collection of specimens related to critical care

(xxi) Burns: assessment, calculation of fludi-crystalloid and colloid

(xxii) Maintenance of intake and output chart.

(xxiii) Wound dressing and prevention of contractures

(xxiv) Rehabilitation

IV. Other Procedures:

T. DILEEP KUMAR, President

[ADVT III/4/102/2007-Exty.]

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.